बच्चे काम पर जा रहे हैं

बच्चे काम पर जा रहे हैं / राजेश जोशी

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह सुबह

बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे ववरण के तरह लखा जाना
लखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

बच्चे काम पर जा रहे हैं / राजेश जोशी

क्या अंतरिक्ष में गर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लया हैं
सारी रंग बिरंगी कताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे
खलौने
क्या कसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

बच्चे काम पर जा रहे हैं / राजेश जोशी

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कतना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है ले कन इससे भी ज्यादा यह
क हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल

पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए
बच्चे, बहुत छोटे छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।